July 2021

SRMS Trust Bulletin

आयाम

परंपरागत रूप से मनाया गया SRMS IMS का 20वां स्थापना दिवस - PAGE 04

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

- स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ने किया अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन का स्वागत – PAGE 03
- एडीजी ने किया स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन – PAGE 08
- एसआरएमएस गुडलाइफ हॉस्पिटल में बुर्जुगों के लिए जिरियाट्रिक क्लीनिक शुरू – PAGE 10
- फिर कलाकारों को समर्पित हुआ एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच– PAGE 12
- कहानी– 'जब नन्हीं जूही बड़ी होगी'- PAGE 14
- लकवा ग्रस्त मरीज का एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में हुआ सफल इलाज- PAGE 18

NABH
Entry Level

SRMS

KEEPING OUR ELDERLY HAPPY & HEALTHY

INTRODUCING

Geriatric Clinic

Providing solutions to various age related (60 yrs+) ailments. Timely health checks and follow-ups identify probable diseases & help us to prevent them. Our commitment to help elderly people live a healthy and Goodlife.

Clinic Day - Thursday | Time: 10 am to 6 pm

✆ **9458707000**

SRMS Goodlife
A MULTI SPECIALITY HOSPITAL

₹1000 से ऊपर की जांचों पर **होम सैम्पल क्लैक्शन** की सुविधा उपलब्ध

बुजुर्गों के लिए बड़ी पहल

सारी उम्र बच्चों की देखभाल में बिताने वाले मां-बाप कब अकेले हो जाते हैं उन्हें ही पता नहीं चलता। पढ़ लिख कर बच्चे जिंदगी तलाशते हैं और उसके लिए नौकरी। ऐसे में मां-बाप को छोड़ कर दूसरे शहरों में जाना उनकी भी मजबूरी बन जाता है। इसका असर बुजुर्ग मां-बाप पर पड़ता है। उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। बीमार पड़ने पर ही वो मजबूरी में इसकी तरफ ध्यान देते हैं। तब तक समस्या बढ़ जाती है। बुजुर्गों की इस समस्या के समाधान के लिए एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल ने पहल की है। यहां पर बुजुर्गों के लिए विशेष जिरियाट्रिक क्लीनिक स्थापित हुआ है। जहां पहली बार होलिस्टिक हेल्थ पर फोकस किया गया है। जिससे बुजुर्गों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी फिजिकल, मेंटल और स्पिरिचुअल हेल्थ की सभी तकलीफों का एक ही छत के नीचे समाधान हो सके। उन्हें इसके लिए अलग अलग डाक्टरों के पास चक्कर न लगाने पड़ें और उनका वक्त न बर्बाद हो। बरेली शहरी क्षेत्र में शुरू किए गए इस जिरियाट्रिक क्लीनिक को ज्यादातर बुजुर्ग बड़ी पहल बता कर इसे अपना रहे हैं। अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए जिरियाट्रिक क्लीनिक संचालित करने पर गुडलाइफ हास्पिटल को बधाई...

जय हिंद

अमृत कलश

''जीवन में ऊंचे उठते समय लोगों से अच्छा व्यवहार करें। कभी आप नीचे आए तो सामना इन्हीं लोगों से करना होगा।।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Shivam Sharma	-	Correspondent
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

सेनानी राम मूर्ति जी ने किया अंतरिक्ष यात्री का स्वागत

स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी मुखर वक्ता के साथ साथ लोगों के चहेते भी थे। अपनी ईमारदार और बेबाक छवि की वजह से उन्हें कांग्रेस पार्टी में भी सम्मान मिलता था। आला कांग्रेस नेताओं के बीच उन्हें पार्टी ने आजादी से पहले 1946 में उ.प्र. विधानसभा चुनाव में नुमाइंदगी सौंपी। 1968 तक लगातार वह विधानसभा में में अपने क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करते रहे। व्यवहार कुशलती की वजह से ही प्रदेश सरकार ने 1961 में प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन के स्वागत की जिम्मेदारी सौंपी। गागरिन अपनी भारत यात्रा के दौरान आगरा में ताज महल देखने आए थे। स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ने प्रदेश की सरकार और जनता की ओर से आगरा में उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों के बीच काफी देर तक बाते हुई। गागरिन ने उनसे ताजमहल के बारे में जानकारी ली, तो राम मूर्ति जी ने उनकी अंतरिक्ष यात्रा के संबंध में पूछा। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री गगारिन को प्रदेश सरकार की ओर से स्मृति चिह्न के रूप में ताजमहल की प्रतिकृति सौंपी।

प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन का भारत यात्रा के दौरान उ.प्र. पहुंचने पर स्वागत करते स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी (Photo - SRMS Trust, Archive)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

परंपरागत रूप से मनाया एसआरएमएस मेडिकल कालेज का 20वां स्थापना दिवस

समय को समझ कर ही काम करें

चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 19 वर्ष के काम को किया साझा, दिया संदेश

- प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को दी श्रद्धांजलि
- शीशम और सागौन के पौधे रोपण कर मनाया जन्मदिन
- हवन पूजन कर ईश्वर से मांगा समाजसेवा के लिए आशीर्वाद
- विशेष एप्रीशिएशन सर्टिफिकेट के साथ 34 डाक्टर सम्मानित
- विशेष योगदान के लिए डाक्टरों को किया सम्मानित, प्रमोशन
- इस वर्ष इन्फेक्टेड मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाने का संकल्प
- आशय पत्र के बाद एसआरएमएस को विवि बनने की उम्मीद

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में रविवार (चार जुलाई 21) को परंपरागत रूप से 20वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने प्रेरणा स्रोत अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी को याद किया। उनकी फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की। पौधारोपण किया। हवन पूजन कर समाजसेवा के लिए आशीर्वाद मांगा। मेडिकल कालेज में विशेष योगदान देने वाले 34 डाक्टरों को सम्मानित किया। तीन डॉक्टरों का प्रमोशन कर उत्साह बढ़ाया। उन्होंने सभी को समय को समझ कर काम करने का संदेश दिया। कहा कि सभी ड्रीमर होते हैं। अपने ड्रीम को पूरा करने के लिए मेहनत भी करते हैं लेकिन कोई समय को पहचान कर मेहनत करता है और सफल होता है तो कोई समय को पहचाने बिना मेहनत करता है। उसकी मेहनत सफल नहीं हो पाती। ऐसे में मेहनत के साथ समय को पकड़ना और उससे आगे चलना जरूरी है।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। इसमें देव मूर्ति जी ने मेडिकल कालेज की 19 वर्ष की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह हास्पिटल सुपरस्पेशियलिटी से शुरू किया गया था। जो एक गलती थ। इसे समझ कर सुधारा गया और फिर यहां पर स्पेशियलटी सिगमेंट की ओपीडी आरंभ की गई। इसमें दो वर्ष का समय लग गया। लेकिन हमने अपनी गलती पहचानी और समय रहते उसे दूर किया। इसका फायदा मिला। यहां ओपीडी बढ़ने लगी। एक समय यह 2200 तक पहुंच गई। यह सब यहां के डाक्टरों के इलाज और मरीजों को दिए गए उनके सही प्रिसक्रिप्शन का नतीजा है। आज बीस साल हो गये। लेकिन ऐसा लगता नहीं है। लगता है कि 20 महीने से ज्यादा का वक्त नहीं हुआ मेडिकल कालेज को स्थापित हुए। मेडिकल कालेज की यह यात्रा आप सभी के सहयोग से बीसवें वर्ष में पहुंच गई है। इसके लिए सभी का आभार। यह मेरी कोई उपलब्धि नहीं। मैं तो सिर्फ एक पात्र हूं। जो अपनी भूमिका निभा रहा है। आप सबके सहयोग से ही यह सब संभव हुआ है। इसे आगे भी आप लोग ही ले जाएंगे। आप सबकी मेहनत की बदौलत ही आज एसआरएमएस मेडिकल कालेज वर्ष 2000 के बाद देश में स्थापित मेडिकल कालेजों में टाप टेन की सूची में शामिल है। सभी 554 सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों के बीच एसआरएमएस मेडिकल कालेज को इंडिया टुडे ने 38वीं रैंक प्रदान की है। पिछले वर्ष कोविड महामारी के दौरान भी ऊपरवाले के आशीर्वाद से एसआरएमएस ट्रस्ट के गुलदस्ते में टेलरिंग यूनिट सुवेश और संगीत व कला को समर्पित रिद्धिमा जैसे दो फूल जुड़े हैं। अब इन्हें भी आगे ले जाना है। मेडिकल कालेज में इन्फेक्टेड मरीजों के लिए 250 बेड का अलग से वार्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। यह इस वर्ष कंप्लीट हो जाएगा। इसके साथ ही इस वर्ष एसआरएमएस को विश्वविद्यालय बनने का भी विश्वास है। क्योंकि पिछले वर्ष एसआरएमएस को विश्वविद्यालय के लिए आशय पत्र सरकार जारी कर चुके है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में इस वर्ष पीडियाट्रिक्स न्यूरो ओपीडी भी शुरू

पूजन

श्रद्धा सुमन

श्रद्धा सुमन

हो जाएगी। इससे पहले कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता ने संस्थापक देव मूर्ति जी का स्वागत किया और पिछले वर्ष की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान मरीजों के उपचार में अपना अहम योगदान देने के लिए सभी डाक्टरों को बधाई दी। इसके साथ ही इस दौरान भी रिसर्च पेपर पर काम करने वाले डाक्टरों को शुभकामनाएं दी। वर्चुअल सीएमई आयोजित करने वाले विभागों को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस स्थापना दिवस पर चेयरमैन सर और प्रिंसिपल की ओर से विशेष एप्रीशिएशन सर्टिफिकेट और कोरोना वारियर के साथ ही सात वर्गों में 34 डाक्टरों को सम्मानित किया जा रहा है। डा.गुप्ता ने कहा कि पिछले दो वर्षों से पल्मोनरी विभाग के एचओडी व आईसीयू के इंचार्ज डा. ललित सिंह एप्रेजल में सबसे ज्यादा नंबर हासिल कर रहे हैं। इस वर्ष भी उन्हें सबसे ज्यादा नंबर मिले। उन्होंने दूसरे वर्ग में प्रशंसा पत्र हासिल किया। पिछले दो वर्षों में कई विभागों को स्टेट और नेशनल लेबल की सफल कांफ्रेंस करवाने, पुस्तक और रिसर्च पेपर प्रकाशित होने पर सभी को प्रशंसा पत्र दिया जा रहा है। इसमें जनरल मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डा.महेंद्र पाल रावल भी शामिल हैं, जिन्होंने उम्र को पीछे छोड़ते हुए एडवांस कार्डियोलाजी एंड ईसीजी में पीजी डिप्लोमा अच्छे नंबरों से पूरा किया। कार्यक्रम के अंत में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य जी ने सभी का आभार जताया और उम्मीद जताई। कहा कि आप सभी लोग अपने अपने विभागों में अच्छा काम कर रहे हैं और सभी पिलर हैं। आपके सहयोग से ही हम कोरोना महामारी के दौरान मरीजों को बेहतर ट्रीटमेंट और सुविधाएं दे पाने में सक्षम हो पाए। कार्यक्रम का संचालन फिजियोलाजी विभाग की एचओडी डा. बिंदू गर्ग ने किया। इस मौके पर एसआरएमएस की ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, गुरु मेहरोत्रा जी, सुरेश सुंदरानी जी, इंजीनियर सुभाष मेहरा जी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, एसआरएमएस सीईटीआर की प्रिंसिपल डा.रितु सिंह, एसआरएमएस नर्सिंग कालेज के प्रिंसिपल डा. शमशाद आलम, एसआरएमएस पैरामेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.कृष्ण गोपाल, मेडिकल कालेज के डीन पीजी डा.पियूष कुमार, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.अतुल सिंह, प्राक्टर एनके अरोरा, एसआरएमएस सीईटी के डीन डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, सभी विभागों के एचओडी, मेडिकल स्टूडेंट और स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वागत

APPRECIATION

Academic and research work & valued contribution towards development of the Institute. (Silver Plate + Certificate)

Chairman's Special Appreciation

Dr. Piyush Kumar
Dean PG & Prof, HOD (Radiation Oncology)

Dr. Rohit Sharma
Dean UG & Prof, HOD (Otorhinolaryngology)

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST 1990-2020 30 GLORIOUS YEARS INDIA

Principal's special Appreciation

Dr. Ankita Mehta
Senior Resident
Radiation Oncology

Dr. Ankit Grover
Senior Resident
General Medicine

Certificate of Appreciation

Dr. Neelima Mehrotra
Prof. HOD Ophthalmology

Dr. Tanu Agarwal
Prof. HOD Pathology

Dr. Pawan Kumar
Asso. Prof.
Radiation Oncology

Dr. Huma Khan
Asso. Professor
Community Medicine

Dr. Surbhi Chandra
Asso. Prof.
Paediatrics

Dr. Amit Rana
Assistant Prof.
Otorhinolaryngology

First academic Book published

"Gynecological Malignancies a Handbook for Post Graduates"

Editor
Dr. Piyush Kumar
(Prof, HOD Radiation Oncology Department)

Co-Editor
Dr. Shashi Bala Arya
(Prof, HOD Obs & Gynaecology Department)

Corona Warriors-2021

Dr. Pratishruti
(Assit. Professor)
Anaesthesia Deptt.

Dr. Gajendra Pal Singh
(Assit. Professor)
Anaesthesia Deptt.

Dr. Kushal Pal Yadav
(Assit. Professor)
Ophthalmology Deptt.

Dr. Amar Singh
(Assit. Professor)
Dermatology Deptt.

Dr. Mamta Verma
(Assit. Professor)
ENT & Head & Neck Deptt.

APPRECIATION

Organizing State / National level Conference

Respiratory Medicine Department

10th UP-UK ISCCM State Chapter & SRMS PulmoCrit-2 State Conference
(Organizing Secretary Dr. Lalit Singh)

Microbiology Department

UP-UK MICROCON 2020 State Conference
(Organizing Secratory Dr. Rahul Goyal)

Pathology Department

UP CYTOCON 2020 State Conference
(Organizing Secretary Dr. Tanu Agrawal)

Forensic Medicine Department

Forensic DNACON 2019 National Conference
(Organizing Secratory Dr. Jaswinder Singh)

General Medicine Department

SRMS 5th Medicine Update 2019 International Conference (Organizing Secratory Dr. Smita Gupta)

ICMR-STS 2019 Project (Proposal Accepted by ICMR)

Dr. Rakshit Gupta
(2015 Batch)

Dr. Harshita Pandey
(2016 Batch)

Dr. Manvika Tiwari
(2017 Batch)

Dr. Proneeta Pal
(2016 Batch)

Dr. Tanya Saxena
(2017 Batch)

Completed the course on "Post Graduate Diploma in Advance Cardiology & ECG"

Dr. Mahendra Rawal
(Asso. Prof), General Medicine Department

Cash Prize to the winner of quiz on Gynae-Malignancy an update for post graduate students

1st Cash Prize

Dr. Rashmi Yadav
(JR-3, 2018 Batch)
Radiation Oncology Deptt.

1st Cash Prize

Dr. Chanchal Choudhary
(JR-1, 2020 Batch)
Obs & Gynaecology Deptt.

2nd Cash Prize

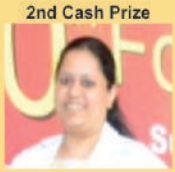

Dr. Priyanka Jain
(JR-3, 2018 Batch)
Obs & Gynaecology Deptt.

3rd Cash Prize

Dr. Priyanka Chauhan
(JR-3, 2018 Batch)
Obs & Gynaecology Deptt.

3rd Cash Prize

Dr. Prachi Upadhyay
(JR-3, 2018 Batch)
Radiation Oncology Deptt.

3rd Cash Prize

Dr. Visakha
(JR-2, 2019 Batch)
Obs & Gynaecology Deptt.

एडीजी ने किया स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन

20वें स्थापना दिवस पर श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में स्वास्थ्य मेला आयोजित

- पांच दिवसीय मेले में निशुल्क परामर्श के साथ सभी तरह की जांचों पर 25 फीसद छूट
- पहले दिन 16 सौ से ज्यादा लोगों ने उठाया लाभ, दो बजे तक लगी रही मरीजों की भीड़

बरेली: 20वें स्थापना दिवस पर श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में पांच दिवसीय स्वास्थ्य मेला सोमवार (पांच जुलाई) को आरंभ हुआ। फीताकाट कर इसका उद्घाटन अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बरेली जोन अविनाश चन्द्र ने किया। स्वास्थ्य मेला के पहले दिन विभिन्न विभागों में परामर्श और जांच के लिए मरीज बड़ी संख्या में उमड़े। दोपहर दो बजे तक 16 सौ से ज्यादा मरीजों ने स्वास्थ्य मेला में अपना रजिस्ट्रेशन कराया।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी के साथ उन्होंने स्वास्थ्य मेले के दौरान मरीजों की ओपीडी देखी और अस्पताल में अलग अलग विभागों में दी जा रही सुविधाओं को देखा। कैंसर विभाग में उन्होंने यहां मौजूद अत्याधुनिक मशीनों की जानकारी हासिल की। यहां विभागाध्क्ष डा.पियूष कुमार ने कैंसर मरीजों के उपचार और इसमें काम आने वाले उपकरणों के बारे में बताया। एडीजी अविनाश नानक्लीनिकल विभागों को देखने मेडिकल कालेज भी पहुंचे। उन्होंने यहां स्किल्ड लैब, एनॉटमी म्यूजियम देखा। यहां एनाटामी विभागाध्यक्ष डा.एनके अरोरा, फार्मेकोलाजी विभागाध्यक्ष डा.सुजाता सिंह और पीडियाट्रिक की प्रोफेसर (डा.) अनीता कुमारी ने उन्हें मेडिकल के यूजी और पीजी विद्यार्थियों के कोर्स के बारे में जानकारी दी। एडीजी अविनाश चन्द्र ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मरीजों को मिल रहे विश्वस्तरीय इलाज और समाजसेवी कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य मेलों से आम जनता को काफी लाभ मिलता है। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति जी ने कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से आम लोगों के लिए कई योजनाएं चलाई जाती हैं। जिनमें मरीजों के इलाज के लिए आपरशन भी निशुल्क किए जाते हैं। उन्हें दवाइयां और बेड भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्यमूर्ति जी ने बताया कि हमारा संकल्प अत्याधुनिक सुविधाएं देना है। अब मरीज को इलाज के लिए बाहर भागना नहीं पड़ता। एडीजी ने मेडिकल कालेज में दो पौधे भी लगाए। इस मौके पर प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह भी मौजूद रहे।

उद्घाटन

पांच दिन में पहुंचे छह हजार से ज्यादा मरीज

पांच जुलाई से आरंभ हुए पांच दिवसीय स्वास्थ्य मेला के दौरान छह हजार से ज्यादा मरीज अपने इलाज और चेकअप के लिए श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज पहुंचे। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह के अनुसार सबसे ज्यादा 570 मरीज जनरल मेडिसिन विभाग में इलाज के लिए पहुंचे। दूसरे और तीसरे नंबर पर क्रमश: 567 मरीज डर्मेटोलाजी डिपार्टमेंट में और 454 मरीज स्त्री और प्रसूति रोग विभाग में आए। इसी के साथ जनरल मेडिसिन (570), डर्मेटोलाजी (567), स्त्री एवं प्रसूति रोग (454), नेत्र रोग विभाग (426), आर्थोपैडिक (404), ईएनटी हेड एंड नेक (387), कार्डियोलाजी (332), जनरल सर्जरी (288), न्यूरोलाजी (256), रेडिएशन ओंकोलाजी (251), पीडियाट्रिक्स (245) विभागों में भी बड़ी संख्या में आकर मरीजों ने स्वास्थ्य मेले का फायदा उठाया। मात्र दस रुपये के रजिस्ट्रेशन पर निशुल्क परामर्श और सभी जांचों में 25 फीसद की छूट का लोगों ने लाभ उठाया।

कोविड संक्रमितों के उपचार को दिए मेडिकल उपकरण

- वन मोर ब्रीथ अभियान में 41 क्लब बीआरटी रिलोडेड और बरेली राउंड टेबिल की पहल
- कोविड संक्रमितों के इलाज के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज के साथ आई संस्थाएं

बरेली: कोविड महामारी में सभी संक्रमित मरीजों को अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पाया था। इसमें बढ़ते संक्रमण में अस्पतालों में उपकरणों की कमी बड़ी वजह बनी थी। देश की दो बड़ी संस्थाओं 41 क्लब बीआरटी रिलोडेड और बरेली राउंड टेबिल ने इस कमी को दूर करने की पहल की है। इनकी मदद से अस्पतालों में मेडिकल उपकरण दान किए जा रहे हैं। वन मोर ब्रीथ कार्यक्रम के जरिये शुक्रवार (दो जुलाई 21) को इन दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में भी मेडिकल उपकरण दान किए। पदाधिकारियों ने मेडिकल कालेज के मनोरोग विभाग में इन उपकरणों की मदद से बनाए गए वार्ड का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर वार्ड का उद्घाटन भी किया गया।

41 क्लब बीआरटी रिलोडेड के राष्ट्रीय ट्रेजरार पंकज वत्स ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान मेडिकल उपकरणों की कमी से हम सब चिंतित थे। इसी कारण हमने अस्पतालों में इन्हें दान करने का फैसला किया है। 26 अप्रैल को वन मोर ब्रीथ नाम से इस अभियान को शुरू किया गया था। आठ हफ्तों में ही हमने 24 करोड़ रुपये की राशि एकत्रित की। इनसे मेडिकल उपकरण खरीदे और इन्हें अब तक देश के 43 अस्पतालों में दान किया जा चुका है। इनमें से ए टू लेबल के 2500 हजार बेड भी हम लोगों ने दान किए हैं। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आज मेडिकल उपकरण जिसमें बीपैप, मोनीटर, नेबुलाइजर, सक्शन मशीन, इंफ्यूजन पंप, क्रश कार्ट ट्राली और इंस्ट्रूमेंटल ट्राली दी है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दोनों क्लबों के सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों की मदद से ही वैश्विक महामारी कोविड को परास्त किया जा सकता है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने भी दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इन मेडिकल उपकरणों से मरीज अवश्य लाभांवित होंगे। उन्होंने कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज की तैयारियों का भी जिक्र किया। कहा कि कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए हम तैयार हैं। हमारे यहां बच्चों के लिए 100 बेड का वार्ड तैयार किया जा चुका है। बंगलुरू के एनजीओ एक्टग्रांट की मदद से मेडिकल कालेज में 550 लीटर का नए आक्सीजन प्लांट भी स्थापित किया जा रहा है। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, 41 क्लब बीआरटी रिलोडेड के चेयरमैन हेमंत अग्रवाल, अमन खंडेलवाल, दीपक बजाज, मयूर गुप्ता, संदीप अग्रवाल और बरेली राउंड टेबिल के पवन अग्रवाल, अभिषेक ग्रोवर और प्रियांशु खंडेलवाल उपस्थित रहे।

उद्घाटन

स्मृति चिह्न

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

गुडलाइफ हास्पिटल ने तीन साल में हासिल किया मरीजों का विश्वास

बुजुर्गों के लिए खास जिरियाट्रिक क्लीनिक शुरू

एसआरएमएस ट्रस्ट ने 19 जुलाई 2018 को किया था गुडलाइफ का लोकार्पण

जिरियाट्रिक क्लीनिक की जानकारी देती डॉ. मालिनी कुलश्रेष्ठ साथ में गुडलाइफ की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी और डॉ. महेश त्रिपाठी

- "होम अवे फ्रॉम होम" है गुडलाइफ की विशेषता: ऋचा
- पांच दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप में रोज उमड़ रहे हैं मरीज
- मूत्र विसर्जन में अनियमितता को नजरअंदाज न करें बुजुर्ग
- मिनी तकनीकी से पाएं कूल्हे और घुटनों के दर्द से आराम

बरेली: बुजुर्गों की सारी समस्याओं का एक ही जगह प्रमाणिक इलाज करने के लिए एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में 22 जुलाई जिरियाट्रिक क्लीनिक आरंभ हो गया। इस मौके पर हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति ने उपस्थित बुजुर्गों का स्वागत किया। उन्हें गुडलाइफ हास्पिटल की खासियत बताई और कहा कि "होम अवे फ्रॉम होम" कांसेप्ट से संचालित यह अपनी स्थापना के तीन वर्ष पूरे कर चुका है। इस मौके पर हास्पिटल में जिरियाट्रिक क्लीनिक संचालित किया जा रहा है। बुजुर्गों की दिक्कतों का एक ही स्थान पर समाधान और उपचार के लिए बरेली मंडल में एक तरह का यह अनोखा पहला क्लीनिक है।

जिरियाट्रिक क्लीनिक की संचालक वरिष्ठ फिजीशियन एमडी मेडिसिन डा. मालिनी कुलश्रेष्ठ ने उपस्थित बुजुर्गों को क्लीनिक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आम तौर पर कई बीमारियों को बढ़ती उम्र की समस्या मान कर नजरअंदाज कर दिया जाता है जबकि वह असल में बीमारी ही होती है। इनकी ज्यादा समय तक अनदेखी गंभीर बीमारियों में बदल जाती है। ऐसे में इनके बारे में जानना और जांच करवाना आवश्यक है। बुजुर्गों की इन्हीं समस्याओं की जांच और सलाह के लिए एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में जिरियाट्रिक क्लीनिक संचालित किया गया है। होलिस्टिक हेल्थ को ध्यान में रखते हुए इसमें बुजुर्गों की फिजिकल, मेंटल और स्पिरिचुअल हेल्थ की सालाना नियमित जांच की जाएगी। इसमें जनरल रूटीन हेल्थ चेकअप के साथ मेंटल स्टेट एग्जामिनेशन भी किए जाएंगे। वृद्धावस्था में होने वाले कैंसर की भी स्क्रीनिंग इसका हिस्सा होगी। यहां आंख, नाक, कान और स्किन की सामान्य जांच के साथ ही हार्ट और हार्मोंस की जांच भी की जाएगी। इनके आधार पर देखा जाएगा कि कहीं कोई ऐसी बीमारी के लक्षण तो नहीं जो भविष्य में गंभीर रूप अख्तियार करने वाले हों। सभी तरह की जांचें एक ही छत के नीचे होंगी। साथ ही इसके लिए कहीं भटकने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। ऐसे में यह जिरियाट्रिक क्लीनिक बरेली के लिए अपने आप में अनोखा क्लीनिक साबित होने जा रहा है।

इस मौके पर यूरोलाजिस्ट डा.महेश त्रिपाठी और आर्थोपैडिक सर्जन डा.ध्रुव गोयल ने भी बढ़ती उम्र में होने वाली बीमारियों का जिक्र किया। डा.त्रिपाठी ने कहा कि वृद्धावस्था में पेशाब संबंधी किसी भी दिक्कत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। चाहें वह दिन में बार बार पेशाब जाना हो या रात में दो-तीन बार उठ कर बाथरूम के लिए जाना। हंसने से अगर पेशाब डिस्चार्ज हो जाए या कम आए किसी की भी अनदेखी ठीक नहीं है। यह सभी जांचें भी जिरियाट्रिक क्लीनिक में एक साथ मिलेगी। डा.ध्रुव गोयल ने वृद्धावस्था में होने वाली हड्डियों संबंधी

हवन पूजन के साथ मनाई तीसरी वर्षगांठ

19 जुलाई को एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल की तीसरी वर्षगांठ मनाई गई। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी और ऋचा मूर्ति जी ने अस्पताल में पूजन के साथ हवन किया। इस दौरान डाक्टर और अन्य हास्पिटल स्टाफ भी मौजूद रहा। देव मूर्ति जी ने कहा कि मरीजों को विश्वस्तरीय इलाज के साथ घर जैसा माहौल और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बरेली में 19 जुलाई 2018 को एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल स्थापित किया गया। यहां ओपीडी के साथ ही इंडोर, डे-केयर, इमरजेंसी सुविधा के साथ आईसीयू, एचडीयू, एनआईसीयू, लैमीनार फ्लो माड्यूलर आपरेशन थिएटर, लेबर डिलिवरी सूट, फार्मेसी भी मौजूद है। तीन साल में गुडलाइफ हास्पिटल पर लगातार बढ़ रहा मरीजों का विश्वास हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

घुटना और कूल्हे के प्रत्यारोपण में अग्रणी सेंटर

पिछले साल से ही गुडलाइफ हास्पिटल घुटने और कूल्हे के प्रत्यारोपण में एक अग्रणी सेंटर के रूप में उभरा है। घुटनों के आपरेशन में यहां पर बड़े शहरों में अपनाई जा रही नई तकनीकी इस्तेमाल की जाती है। इसमें घुटने की दर्दरहित सर्जरी की जाती है। एक छोटा सा चीरा लगा कर आपरेशन किया जाता है और मरीज उसी दिन चलना आरंभ कर देते हैं। उन्हें तीन से चार दिन में छुट्टी मिल जाती है। यह आपरेशन आर्थोप्लास्टी विशेषज्ञ डा.ध्रुव गोयल करते हैं।

व्हिपल्स सहित पेट के आपरेशन संभव

गुडलाइफ हास्पिटल में पेट की तकलीफों से संबंधित सभी आपरेशन होते हैं। यहां मोटापा कम करने वाली बैरियाट्रिक और व्हिपल्स जैसी बड़े शहरों में होने वाली सर्जरी को भी सफलतापूर्वक किया जाता है। यहां लैप्रोस्कोपिक सर्जन डा. अमित सक्सेना गॉलब्लैडर, एपैंडिक्स, हार्निया, लीवर, पैनक्रियाज, बाइल डक्ट, खाने की नली, छोटी व बड़ी आंत, गुर्दा एवं मलाशय की सर्जरी के साथ हर तरीके की कांप्लीकेटेड एवं लैप्रोस्कोपिक गैस्ट्रो सर्जरी में माहिर हैं।

यूरोलाजी से सभी परेशानियों का एक जगह इलाज

आज कल स्टोन, प्रोस्टेट और फीमेल यूरोलाजी से संबंधित समस्याएं आम हैं। अगर समय पर इनका इलाज न हो तो आरंभ में सामान्य लगने वाली यह समस्याएं गंभीर रूप ले लेती हैं। इन सभी के साथ यूरेथ्रोप्लास्टी, एवी फिस्टुला और सेक्स संबंधी समस्याओं का सफल इलाज एसआरएमएस गुडलाइफ में उपलब्ध है। इसके लिए यहां किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ यूरोलाजिस्ट डा.महेश त्रिपाठी कई वर्षों से कार्यरत् हैं। जो लैपरोस्कोपिक एवं यूरोएण्डोस्कोपिक सर्जन हैं।

आर्थोस्कोपी व स्पोर्टस इंजरी का इलाज

यह सेंटर आर्थोस्कोपी सर्जरी एवं स्पोर्टस इंजरी के साथ ट्रामा सर्जरी में भी अग्रणी हास्पिटल में अपनी पहचान रखता है। यहां घुटने में इंफेक्शन, मिनीस्कल इंजरी, घुटने व कंधे का लिगामेंट टियर, टेनिस एल्बो, घुटने, कूल्हे का प्रत्यारोपण व आस्टियोआर्थराइटिस का उपचार भी सफलतापूर्वक किया जाता है। इस सभी के विशेषज्ञ आर्थोपैडिक सर्जन डा.सिद्धार्थ दुबे ऐसे मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज कर रहे है। इनसे इलाज कराने वाले संतुष्ट मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

दिक्कतों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस अवस्था में 90 फीसद लोगों में हड्डियों और जोड़ों संबंधी दिक्कतें आमतौर पर हो जाती हैं। हड्डियां टूटने की आशंका बढ़ जाती है। सही समय पर सही डाक्टर से इलाज ही इसका एकमात्र उपचार है। उन्होंने कहा कि आम धारणा है कि वृद्धावस्था में जोड़ों का आपरेशन नहीं करवाना चाहिए भले ही कितनी ही दिक्कत ज्यादा हो जाए। यह सोचना गलत है। आज मेडिकल साइंस काफी एडवांस है। घुटने और कूल्हे के आपरेशन मिनी तकनीकी से छोटा सा चीरा लगा कर किए जा रहे हैं। बुजुर्गो भी इसका लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में घुटनों और कूल्हे के दर्द के साथ जीने के बजाय इसका आपरेशन करा कर जिंदगी को आम तरीके से जीना चाहिए। तीनों विशेषज्ञ डाक्टरों ने मरीजों के सवालों के जवाब भी दिए।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति जी ने लकी ड्रा निकाला। इसमें बुजुर्ग होशियार सिंह ने जिरियाट्रिक क्लीनिक की गोल्डन मेंबरशिप हासिल की, जबकि डीबी सक्सेना ने क्लासिक मेंबरशिप प्रदान की गई। इस मौके पर इंजीनियर सुभाष मेहरा और गुडलाइफ का स्टाफ मौजूद रहा।

फिर कलाकारों को समर्पित हुआ रिद्धिमा का मंच

शिष्यों के साथ श्रेयशी मुंशी

बरेली: कोविड संक्रमण कम होने पर लॉकडाउन हटाए जाने के बाद एक बार फिर एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच कलाकारों को समर्पित हुआ। पूरे जुलाई माह में रिद्धिमा सभागार में आयोजन हुए। कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को झकझोरा तो गुरुओं ने अपने गायन, वादन और नृत्य कौशल से कला के कद्रदानों की वाहवाही लूटी। आयोजन में यहां के शिष्य भी पीछे नहीं रहे। यहां अध्ययनरत शिष्यों ने भी मौके का भरपूर फायदा उठाया और मंच पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। जुलाई माह का मंगलवार रिद्धिमा के मंच को समर्पित हुआ। पहले मंगलवार यानी छह जुलाई को रिद्धिमा आडिटोरियम सजा और दयाशंकर की डायरी के पेज खुले। इसमें ख्वाबों और संबंधों के बीच झूलती अकेलेपन की जिंदगी का मंचन किया गया। महिलाओं के प्रति पुरुषों की विक्षिप्त मानसिकता को नाटक ढर्रा के जरिये मंच पर प्रदर्शित किया गया। युवाओं की बेरोजगारी को हास्य अंदाज में बयां करने के लिए कलाकारों की टीम नाटक मस्त मौला के लिए मंच पर आई। एसआरएमएस रिद्धिमा के गुरुओं ने नृत्य, गायन, वादन को त्रिधारा के रूप में प्रदर्शित किया। तो गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों को सफलता का आशीर्वाद भी दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी और ऋचा मूर्ति जी ने सभी आयोजनों में उपस्थित होकर कलाकारों की हौसलाअफजाही की।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं ने दिया शिष्यों को आशीर्वाद

शिव शंभू कपूर, कुंवर पाल, ऑगस्टीन फेड्रिक

आनंद मिश्रा, जनार्दन भारद्वाज, शिवांगी मिश्रा

अंबाली प्रहराज

उमेश मिश्रा

एसआरएमएस रिद्धिमा में 24 जुलाई 21 को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। गायन गुरु जनार्दन एवं शिवांगी मिश्रा ने गुरुओं को नमन किया। कथक गुरु अमृत मिश्रा, श्रेयसी मुंशी एवं शिष्याओं ने दर्शकों का मन मोहा। तो संगीत गुरु उमेश मिश्रा, आनंद मिश्रा ने सारंगी वादन कर लोगों को भावविभोर किया। गायक उस्ताद दानिश हुसैन एवं शिवांगी मिश्रा ने ग़ज़ल 'नैना तोसे लागे, सारी रैना जागे' गाकर तालियां बटोरीं। कुंवर पाल, ऑगस्टीन फ्रेडरिक ने सितार एवं गिटार की जुगलबंदी पेश की। मन भीतर से लिए गए थुंगा-थुंगा गाने को शिवांगी मिश्रा ने अपनी आवाज़ दी एवं श्रेयसी मुंशी ने कथक नृत्य पेश किया। गुरु अंबाली प्रहराज ने भरतनाट्यम प्रस्तुत कर भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार ने किया।

ख्वाबों और संबंधों में झूलती जिंदगी

नादिरा बब्बर लिखित प्रसिद्ध नाटक दयाशंकर की डायरी का 6 जुलाई 21 को रिद्धिमा सभागार में मंचन हुआ। एकतरफा प्यार, जिंदगी के ख्वाब और पारिवारिक जिम्मेदारियों से भरी इस डायरी के तिथिवार पेजों को अंबुज कुकरेती ने निर्देशित किया। इसका पात्र दयाशंकर अभिनय के ख्वाब को पूरा करने मुंबई पहुंचता है। परिवार से दूर, अधूरे ख्वाब और एकतरफा प्यार के बीच झूलता दयाशंकर मानसिक संतुलन खो देता है। दयाशंकर की भूमिका में अजय चौहान ने बेहतरीन अभियन किया।

पुराने ढर्रे पर पुरुषों की सोच

13 जुलाई को डा.तारिक महमूद द्वारा लिखित नाटक ढर्रा का मंचन हुआ। अंबुज कुकरेती के निर्देशन में इस नाटक में महिलाओं के प्रति पुरुषों की ढर्रे पर चल रही सोच के साथ घर और बाहर सब जगह हो रहे महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार को उभारा गया। महिलाओं को लेकर पुरुष की सोच नाटक ढर्रा बेहतरीन ढंग से बयान करता है। नाटक में दरोगा का किरदार सत्येंद्र पाठक ने बखूबी निभाया। सुरेश की भूमिका में शिवम यादव, दारोगा की पत्नी के किरदार में मीना सोंधी ने सभी का दिल जीत लिया।

मस्त मौला ने किया दर्शकों को मस्त

27 जुलाई 21 को हुए नाटक मस्तमौला ने दर्शकों को खूब हंसाया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से सभागार में मौजूद लोगों की तालियां बटोरीं। नाटक की कहानी तीन लड़कों सुरीले, रंगीले और छबीले के इर्दगिर्द घूमती है। जो अपनी कला के सहारे कुछ बनने की चाह में खाली जेब शहर चले आते हैं। तीनों किराये पर कमरा लेते हैं। आर्थिक तंगी के बीच जिंदगी में कश्मकश बढ़ती है। बाद में हालात दुरुस्त होते हैं और नाटक का सुखांत होता है। नाटक का निर्देशन ज़रीफ़ मलिक आनन्द ने किया।

नृत्य, गायन, वादन की त्रिधारा का संगम

21 जुलाई 21 को त्रिधारा कार्यक्रम हुआ। अंबाली प्रहराज ने भरतनाट्यम से संस्कृति को दर्शाया। गायक दानिश हुसैन ने यमन राग पर 'सखी री याद पिया की आये' की बंदिश के साथ ही अहमद फराज की गजल रंजिश ही सही... को अपनी आवाज दी। गायिका इन्दू परडल एवं शिवांगी मिश्रा ने फिल्म उत्सव में लता और आशा के स्वर से सजे, वसंत देव के गीत 'मन क्यूं बहका' को गाया। इंदू ने मिर्जा गालिब की गजल 'दिल ए नादां' को भी स्वर दिए। भटियाली राग में कुंवरपाल, आशीष कुमार एवं विद्यार्थियों ने सितार की जुगलबंदी पेश की। गुरु अमृत मिश्रा एवं श्रेयसी मुंशी ने कथक पर बंदिश के साथ शिष्यों संग राग मालकोश पर मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डा. अनुज सक्सेना ने किया।

इंदु परडल

देवीशा और श्रेयशी के साथ अमृत मिश्रा

महक, गिरीश, आशीष कुमार

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1998 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

जब नन्हीं जूही बड़ी होगी

लेखक मो. आरिफ शहदोली, पता- रानी लक्ष्मी नगर, सीपरी बाजार, झांसी

''फरहीन के दस्तखत करवा लाइये।'' वकील साहब ने तलाक के कागज हमीद मियां को देते हुए कहा। हमीद मियां उदास मन से कागज़ों को लेकर फरहीन के पास गये। आज पड़ोस में रहने वालों की निगाहें हमीद मियां के घर की ओर हैं। फ्रिज, कूलर, रंगीन टीवी, अल्मारी से लदा ट्रक सभी के लिए जिज्ञासा का केन्द्र बना हुआ है। हमीद मियां के रिश्तेदार ट्रक से सामान उतारकर आंगन में रखते जा रहे हैं। पड़ोस में रहने वाले खिड़की से झांककर तमाशा देखने के साथ आपस में तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। इसमें महिलाओं की भूमिका प्रमुख है जो घर के बाहर निकल आई हैं। सज्जन, व्यवहार कुशल, चालीस वर्षीय हमीद के लिए यह जीवन की सबसे बड़ी घटना है। उनकी स्थिति आंधियों में घिरे नाव के नाविक की तरह है जो किनारे की तलाश में संघर्ष कर रहा है, जिसे समस्या रूपी आंधी ने आगे बढ़ने से रोक दिया है, जो जाना कहीं और चाहता था आ कहीं और गया है।

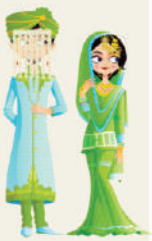

तीन वर्ष पूर्व की बात है। हमीद मियां ने बड़ी बच्ची फरहीन की शादी रायगंज निवासी दिलदार खां साहब के लड़के नन्हें खां के साथ बड़े धूमधाम के साथ की थी। घराती से लेकर बराती तक का पूरा ख्याल रखा गया था। रिश्तेदारों ने उस वक्त प्रशंसा करते हुए कहा- ''भाई हमीद मियां आपने तो कमाल कर दिया। ऐसा इंतजाम पहले कहीं नहीं देखा।'' हमीद मियां ने प्रशंसा का उत्तर देते हुए कहा-'' खुदा का करम है। वही अपने बन्दों की मदद करता है।''

फरहीन को घर से विदा करते समय हमीद मियां बेहोश भी हो गये थे। जब उन्हें होश आया तो फरहीन ससुराल जा चुकी थी। ''अब कैसा लग रहा है'' हमीद मियां से डा. चटर्जी ने पूछा। ठीक हूँ। बस थोड़ी कमजोरी महसूस हो रही है।'' हमीद मियां ने उत्तर दिया। डा. चटर्जी ने दवा देते हुए कहा यह दवा सुबह-शाम लीजियेगा। ''जी अच्छा'' हमीद मियां ने सहमति में सिर हिलाया। '' अब आज्ञा दीजिये।'' डा. चटर्जी इतना कहकर उठे और जाने लगे तो हमीद मियां ने रोकते हुये पूछा- ''डा. साहब ! फीस...'' हमीद मियां बात पूरी बोल पाते कि डा. चटर्जी ने बात काटते हुए कहा- '' पहले आप ठीक हो जाइये, फिर मोटी फीस की बात होगी।'' डा. चटर्जी हंसते हुए चले गये। इस प्रसंग से घर के सभी सदस्यों के चेहरों पर मुस्कान थिरक गयी। फरहीन को ससुराल में चार दिन हो गये थे। हमीद मियां के घर में फरहीन को लेने जाने की तैयारी होने लगी। चौथी की रस्म में जाने वालों में छोटे-बड़े सभी शामिल थे। भुर्र-भुर्र-भुर्र.....की आवाज करती जीप दरवाजे पर आकर खड़ी हो गई थी। बच्चे शोर मचाते हुए जीप में चढ़ने-उतरने का खेल खेलने लगे। जीप के ड्राइवर ने बच्चों को आंखों से धमकाया पर बच्चे तो बच्चे, कहाँ मानने वाले थे, फिर अब्बा मियां पास में हो तो किसकी हिम्मत उन्हें खेलने से रोक सके।

हमीद ने चौथी की रस्म का सामान जीप में रखते हुए बच्चों से कहा चलो नीचे उतरो। सब बच्चे नीचे उतर गये। हमीद मियां से पड़ोस के मुनव्वर खान ने पूछा-''अब और कितनी देर है निकलने में।'' बस बड़े भाई साहब और चाचा जान आ जाये तो चल देंगे। हमीद मियां ने जवाब दिया। कुछ ही देर में चाचा कारामत अली और बड़े भाई साहब आ गये। घर के सोलह सदस्य जीप में सवार होकर रायगंज की ओर चौथी की रस्म का निर्वाह करने चल दिये। जीप में सवार सदस्यों में औरतों और बच्चों की संख्या दस थी, जो खुशी में स्वतंत्र पवन का पर्दे के बाहर आनन्द लेकर आनन्दित थे। चालीस किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के पश्चात जीप रायगंज पहुचकर दिलदार खां साहब के मकान के सामने रूकी। सभी सदस्य जीप से नीचे उतर गये। सभी के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। दिलदार साहब के मकान के अंदर से माँ-बहन की गालियों की तीव्र स्वर स्पष्ट सुनाई दे रहा था। सभी को अनहोनी घटना का आभास होने लगा। तभी सभी को ''हाय अब्बा मर गई रे का स्वर सुनाई दिया।'' हमीद मियां घबड़ाते हुये बोले-चाचा जान! यह तो फरहीन की आवाज है। इतना कहने के साथ वह जोर से चिल्लाये- दिलदार खां साहब। हमीद मियां की आवाज सुनकर मकान में सन्नाटा छा गया। पतला-दुबला, रंग काला, बीस वर्षीय युवक बाहर अया। यह हमीद मियां का दामाद नन्हें खा था। सभी बच्चों ने नन्हें खां को देखते ही कहा दूल्हा भाई! सलाम। नन्हें खां ने सलाम का उत्तर न दिया और गुस्से में बोला कैसे आना हुआ। दिलदार खां साहब कहां हैं। हमीद मियां ने नन्हें से पूछा। मेरे सवाल का जवाब दीजिये। नन्हें ने हिचकी लेते हुए कहा। फरहीन को लेने आये हैं। हमीद मियां ने उत्तर

दिया। हम उसे नहीं भेज सकते। नन्हें गर्व के साथ बोला। कैसी बाते कर रहे हो नन्हें बेटा। हमीद मियां नम्रता से बोले। जैसी तुम सुन रहे हो। नन्हें ने दांत पीसते हुए उत्तर दिया। हमीद मियां नन्हें खां का यह रूप देखकर तो दुख के दलदल में डूबते जा रहे थे। जहाँ उन्हें निकालने वाला कोई नहीं था। जिस नन्हें खां को उन्होने कलयुग में सज्जन लडके की संज्ञा दी थी, वह शराबी के रूप में उनसे कुतर्क कर रहा था। उनका हृदय विचलित हो उठा। तभी दिलदार खां साहब आ गये वह स्थिति को भांप गये। उन्होने नन्हें को अन्दर जाने को कहा। ''मैं नहीं जाता अन्दर।'' इतना कहकर नशे में झूमता नन्हें खां बाहर की ओर चला गया। चौथी की रस्म में आये सभी सदस्य दिल पर पत्थर रखकर मूर्तिवत स्थिति में खड़े रहे। यह सब बेटी वाले होने के कारण कुछ भी कर पाने में असमर्थ थे। दिलदार खां ने हमीद मियां से मुआफी मांगी तो हमीद मियां ने कहा–अब फरहीन को साथ भेज दीजिए।'' मेरा ख्याल है आप सब।'' दिलदार खां अपनी बात कहने ही वाले थे कि हमीद मियां ने कहा– अब और मत झुकाईये दिलदार साहब! ज्यादा झुकने से कमर टूट जाने का खतरा हो सकता है। दिलदार खां यह सुनकर इतना ही कह पाये–''जैसी आपकी मर्जी।'' कुछ ही देर बाद काले नकाब में फरहीन बाहर आई। अब्बा को देखकर जी भर कर रोना तो चाहती थी परन्तु ससुराल की मर्यादा का विचार आते ही रूक गई। हमीद मियां को बेटी का दर्द स्पष्ट दिखाई दे रहा था, वह खून का घूंट पीकर रह गये। अब फरहीन ससुराल रूपी पिंजरे से आजाद होकर अपने अब्बा के घर जा चुकी थी। फरहीन की अम्मी ने अपनी बेटी का हाल देखा तो वह रोने लगीं। फरहीन के शरीर में नाखून एवं दांतों द्वारा किये गये चोट के असहनीय चिन्ह थे। उसके चेहरे को भी बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। हमीद मियां ने अब निश्चय कर लिया था कि वह फरहीन को ससुराल नहीं भेजेंगे।, जब तक नन्हें खां की आदतों में सुधार नहीं आ जाता है। समय गुजरते देर न लगी। फरहीन की शादी को तीन वर्ष पूरे हो गये। तीन वर्ष में तीन बार फरहीन ससुराल गई, परन्तु नन्हें खां के व्यवहार में परिवर्तन न आया। एक बार तो फरहीन को जान से मारने का प्रयास नन्हें खां द्वारा किया गया तो पड़ोसियों ने बचा लिया। तब से अब तक फरहीन अपने अब्बा के घर में है। अब्बा के यहां ही फरहीन ने बच्ची को जन्म दिया। जो आज डेढ़ वर्ष की नन्हीं बच्ची है, जिसका नाम जूही रखा गया है। आज जूही अपने अब्बा के यहां से आया अपनी अम्मी का दहेज जिज्ञासा से देख रही है। उसकी नजर कभी–कभी वकील साहब के द्वारा अब्बा–अम्मी के बीच की जा रही तलाक की कार्रवाई पर टिक जाती है। दहेज के बर्तन गिने जाने पर होने वाली खटर–पटर उसे अच्छी लगती है, तो नाना हमीद मियां की तरह देखकर खुशी से किलकारी मारती है। जूही को जब अब्बा–अम्मी की तलाक का मनहूस दिन याद आयेगा तो वह दुख में डूब जायेगी और शायद खुदा से कहेगी–'' मेरे मालिक! मुझे इस काबिल क्यों नहीं बनाया कि मैं अब्बा को तलाक के नासूर से समझाकर बचा लेती और तलाकशुदा मां की बेटी कहलाने से बच जाती।'' नन्हीं जूही तलाक की रस्म बुरी है इसे बदलने की आवाज जरूर उठाने की कोशिश रूढ़ियों के बीच करती। हमीद मियां वकील साहब के द्वारा दिया गया कागज लेकर फरहीन के पास गये। फरहीन के हाथ में तलाक के कागज देते हुए बोले–'' बेटी! अब तुम्हारे लिये बस यही अन्तिम रास्ता है।'' कई बार फरहीन ने यहां–वहां देखा और कलम उठाकर हस्ताक्षर तलाक के कागजों में करने को तैयार हुई तो जूही के नन्हें हाथ कलम छीनने को बढ़े। ऐसा लग रहा था कि वह अम्मी को तलाक के मनहूस विचार को बदलने को कह रही है और अब्बा को सुधरने का मौका देना चाहती है। हमीद मियां ने जूही को गोदी में ले लिया। जूही अम्मी के पास जाने के लिये, अपनी पूरी ताकत हमीद मियां की गोदी से उतरने के लिये लगाने लगी। मात्र बीस बसन्त धरा पर देखने वाली छोटी उम्र एक बच्ची की मां फरहीन ने अब्बा के सहारे तलाक के कागज पर हस्ताक्षर भविष्य की चिन्ता किये बिना कर दिये। पांच कलमों के साथ पढ़ा गया निकाह का पवित्र बन्धन तीन वर्ष बाद तलाक के नासूर के रूप में फरहीन के जीवन में प्रवेश कर गया। आज से हमीद मियां तलाकशुदा बेटी के बाप, फरहीन तलाकशुदा पत्नी और जूही तलाकशुदा मां की बेटी समाज की नजर मे हैं जो इन्हें इनके ऊंचा उठने तक असहाय एवं कृपा का पात्र समझेगा। दहेज का समान उतार कर नियत स्थान पर रखा जा चुका है। ट्रक खाली अर्थी की तरह ससुराल लौट गया। पड़ोस के लोग घर के अन्दर हमीद मियां की चर्चा करने लगे। हमीद मियां आज के दिन की घटना को भूलने के लिये आंख बन्द करके कुर्सी में बैठ गये। नन्हीं जूही रोज की तरह खेलने लगी उसे कोई तनाव नहीं है, लेकिन ''तलाक''....किसकी ? कैसे ? कब ? क्यों ? हुई। सब जान जायेगी। ''जब नन्हीं जूही बड़ी होगी।''

(समाप्त)

एसआरएमएस सीईटी की अदिति को दूसरा स्थान

अदिति को दूसरा स्थान मिलने पर उन्हें बधाई देते डीन डॉ. प्रभाकर गुप्ता व अन्य

- अस्पतालों में आक्सीजन वेस्टेज, लीकेज व लास पर प्रेजेंटेशन चयनित
- सीईटी बरेली में बीटेक में आईटी ब्रांच में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं अदिति
- डा.एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल विवि ने आनलाइन लिया प्रेजेंटेशन

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (सीईटी) में आईटी ब्रांच में बीटेक की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति मल्होत्रा की प्रतिभा को डा.एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय ने भी सलाम किया। टेक्निकल विश्वविद्यालय ने अस्पतालों में आक्सीजन वेस्टेज, लीकेज और लास पर उनके प्रेजेंटेशन को दूसरा स्थान प्रदान किया। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी और डीन डा.प्रभाकर गुप्ता ने अदिति को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

डा.प्रभाकर गुप्ता के अनुसार कोविड महामारी के दौरान अस्पतालों में आक्सीजन की किल्लत को दूर करने के लिए डा.एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय ने अपने संबद्ध सभी इंजीनियरिंग कालेजों के विद्यार्थियों से सुझाव मांगे थे। इसमें 150 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपने सुझाव दिए। जिनमें से 18 विद्यार्थियों के आइडिया को विश्वविद्यालय की ओर से फाइनल राउंड के लिए चयनित किया गया। जुलाई के प्रथम सप्ताह में विश्वविद्यालय की जूरी के सामने चयनित सभी विद्यार्थियों ने पीपीटी के जरिये अपने आइडिया को आनलाइन प्रस्तुत किया। टेक्निकल विवि ने अंतिम तीन विद्यार्थियों के नाम 14 जुलाई को घोषित किए। जिसमें एसआरएमएस सीईटी की अदिति मल्होत्रा ने दूसरा स्थान हासिल किया है। यह हमारे सबके लिए गौरव का विषय है। अदिति ने भी 150 से ज्यादा विद्यार्थियों के बीच खुद को दूसरे स्थान पर चुने जाने पर खुशी जताई। अदिति ने कहा कि उन्होंने अपना प्रेजेंटेशन पाइप लाइन में आक्सीजन की लीकेज और ब्लाकेज पर फोकस किया था। नाइज सेंसर और रेडियो फ्रिक्वेंसी के जरिये उन्होंने पाइप लाइन में ब्लाकेज और लीकेज खोजने की बात कही। जिसे विश्वविद्यालय के जूरी ने स्वीकार किया और उनके प्रेजेंटेशन को दूसरा स्थान दिया। अदिति इसका श्रेय एसआरएमएस सीईटी संस्थान, अपनी एचओडी मानवी मिश्रा और फैकेल्टी आशुतोष पांडेय, संजीव कुमार, अंजू खंडेलवाल को देती हैं। वो कहती हैं कि इन सबके सहयोग के बिना प्रेजेंटेशन संभव नहीं था।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता अभियान

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से विश्व जनसंख्या दिवस की पूर्व संध्या पर 10 जुलाई 21 को ग्राम प्रहलादपुर में जनसंख्या नियन्त्रण जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें मोनिका कथूरिया और अश्वनी कुमार ने ग्रामीणों को बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य, गरीबी, महामारी, अशिक्षा, सामाजिक भय आदि मुद्दों पर जानकारी दी। पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से जनसंख्या नियन्त्रण करने का संदेश देते हुए ग्रामीणों को बताया गया कि जनसंख्या पर नियन्त्रण न किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को इसके बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ेगा। जनसंख्या नियंत्रित कर ही अपनी व देश की तरक्की कर सकते हैं। अभियान में गाँव की महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभावों के बारे में जाना तथा इसे नियंत्रित करने की प्रतिज्ञा ली।

अनंत विचार कोष

एक मन
कितने विचार
कुछ प्रेम पूर्ण
कुछ कटु यादें
कुछ प्रश्न उत्तर रहित
कुछ उत्तर अपने ही प्रश्नों के
कुछ विचार है स्वउद्भवित
कुछ प्रभावित है संसार से
हर रस, हर प्रसंग से पूरित
कुछ तो अंर्तमन में दबे हुए है
कुछ अपरिचित व अनायास है
इस अनंत विचार कोष में
स्वअनुभूति का प्रयास है।

Neeti Mishra
Assistant professor
Dept of pharmacy
SRMS CET

NEW EMPLOYEE

(Till July 2021)

अलेयम्मा वी.जी.
चीफ मैड्न, नर्सिंग, जीएनएम
एसआरएमएस आईएमएस
बरेली

डा.धर्मेंद्र वार्ष्णेय
प्रोफेसर (एमबीए, पीएचडी)
एसआरएमएस आईबीएस
लखनऊ

डा.अमित कुमार सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनरल सर्जरी
एमएस (जनरल सर्जरी)
आईएमएस, बरेली

डा.शबाना एंडलीब अंसारी
असिस्टेंट प्रोफेसर, पैथालोजी
एमडी (बायोकैमिस्ट्री)
आईएमएस, बरेली

डा.अजमत कमाल अंसारी
असिस्टेंट प्रोफेसर, बायोकैमिस्ट्री
एमडी (बायोकैमिस्ट्री)
आईएमएस, बरेली

डा.आशुतोष शुक्ल, असिस्टेंट प्रो.
एमकाम, एमबीए, पीएचडी (मैनेजमेंट)
एसआरएमएस आईबीएस
लखनऊ

डा.हनी गुप्ता, असिस्टेंट प्रो.
एमबीए, पीएचडी (मैनेजमेंट)
एसआरएमएस आईबीएस
लखनऊ

डा.सिद्धार्थ मिश्रा, असिस्टेंट प्रो.
एमकाम, पीएचडी
एसआरएमएस आईबीएस
लखनऊ

राजेश कुमार सिंह
ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट आफीसर
एमबीए, पीजीडीसीए
एसआरएमएस आईबीएस
लखनऊ

रिंतुमोल पी.आर.
चीफ नर्सिंग आफीसर
एमएससी नर्सिंग, पैरामेडिकल
एसआरएमएस आईएमएस
बरेली

PROMOTION

डॉ. तारिक महमूद
प्रोफेसर
बायोकैमेस्ट्री
आईएमएस, बरेली

डॉ. धीरज कुमार
प्रोफेसर
जनरल सर्जरी
आईएमएस, बरेली

डॉ. विद्यानंद
असो. प्रोफेसर
जनरल मेडिसिन
आईएमएस, बरेली

डॉ. कमल नयन गंगेय
एसि. प्रोफेसर
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
आईएमएस, बरेली

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

गुलियन बेरी सिंड्रोम से प्रभावित युवक का पूरा शरीर हो गया था लकवाग्रस्त

लकवाग्रस्त मरीज का एसआरएमएस में सफल इलाज

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में इलाज कराते ब्रजेश कुमार पांडेय

- न्यूरोलाजिस्ट डा.शरत जौहरी के ट्रीटमेंट से करीब तीन हफ्ते में पूरी तरह स्वस्थ
- हाथ-पैरों ने कर दिया था काम करना बंद, सांस लेने में भी होने लगती थी दिक्कत
- समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा हो सकती है जीबी सिंड्रोम की यह बीमारी

बरेली: अचानक से हाथ पैरों में दर्द हो, इनमें सूजन आ जाए और झंझनाहट होने लगे। यह काम करना बंद कर दें। दर्द बढ़ता हुआ पूरे शरीर में फैल जाए। शरीर में कमजोरी महसूस होने लगे। तो इसे नजरअंदाज न करें। यह गुलियन बेरी सिंड्रोम के संक्रमण की वजह से हो सकता है। इससे प्रभावित व्यक्ति का पूरा शरीर लकवाग्रस्त हो सकता है और समय पर इलाज न मिले तो यही स्थिति जीवन भर परेशानी का सबब बन सकती है। हालांकि समय पर इसका पूरी तरह इलाज संभव है लेकिन ऐसे खुशनसीबों की संख्या काफी कम होती है। बरेली के गुलाबनगर निवासी ब्रजेश कुमार पांडेय (25 वर्ष) इन्हीं में से एक हैं। गुलियन बेरी सिंड्रोम से इनका शरीर भी पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गया था। जिसका सफल इलाज एसआरएमएस मेडिकल कालेज में न्यूरोलाजिस्ट डा.शरत जौहरी ने किया। पुन: अपने पैरों पर चलने और दैनिक क्रियाएं खुद संपन्न करने समर्थ होने पर ब्रजेश परिवारीजनों के साथ आज (31 जुलाई 21) मेडिकल कालेज से अपने घर वापस चले गए। एसआरएमएस मेडिकल कालेज से जाते समय ब्रजेश के चाचा चन्द्रिका प्रसाद पाण्डे ने बताया कि ब्रजेश दिल्ली में एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। वहीं पर जून के तीसरे सप्ताह में अचानक तेज बुखार के साथ उनके शरीर ने काम करना बंद कर दिया। पूरा शरीर लकवाग्रस्त हो गया। तबियत बिगड़ने पर ब्रजेश को उनके एक मित्र ने वहीं पास के एक निजी अस्पताल में दिखाया। लेकिन एक हफ्ते में भी कोई फायदा नहीं हुआ, इससे उलट तबियत और भी बिगड़ती गई। इस पर ब्रजेश को बरेली लाया गया। यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां भी हालत में कोई सुधार न दिखने पर उन्होंने श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में संपर्क किया। यहां नौ जुलाई को ब्रजेश आसीयू में भर्ती हुए। न्यूरोलाजिस्ट डा. शरत जौहरी की देखरेख में इलाज शुरू हुआ। जांच में उन्हें गंभीर बीमारी गुलियन बेरी सिंड्रोम से पीड़ित पाया गया। साथ में लंग्स में इन्फैक्शन भी मिला। जिससे सांस लेने में भी दिक्कत थी। डा.जौहरी के इलाज के सकारात्मक परिणाम मिलने शुरु हुए। करीब तीन हफ्ते बाद ब्रजेश खुद से चलने और बैठने लगे। इस पर डा.जौहरी ने ब्रजेश को घर जाने की इजाजत दे दी। घर जाते समय ब्रजेश काफी खुश दिखे। उनके चाचा चंद्रिका और चाची ने भी खुशी जताई। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डाक्टरों और स्टाफ को धन्यवाद कहा। डा. शरत जौहरी को उन्होंने देवता बताया।

डा. शरत जौहरी
एसआरएमएस आईएमएस

डा.जौहरी ने बताया कि ब्रजेश को काफी गंभीर अवस्था मे यहां लाया गया था। तत्काल उसे आईसीयू में वैंटीलेटर पर रखा गया। एक हफ्ते बाद मरीज की हालत में सुधार होने पर उसे वैंटीलेटर से वार्ड में शिफ्ट किया गया। लगभग तीन सप्ताह के इलाज के बाद ब्रजेश की तबियत में काफी सुधार आया। वे खुद चलने फिरने लगे। ऐसे में आज उन्हें डिस्चार्ज कर दिया। हालांकि ट्रीटमेंट अभी चलता रहेगा।

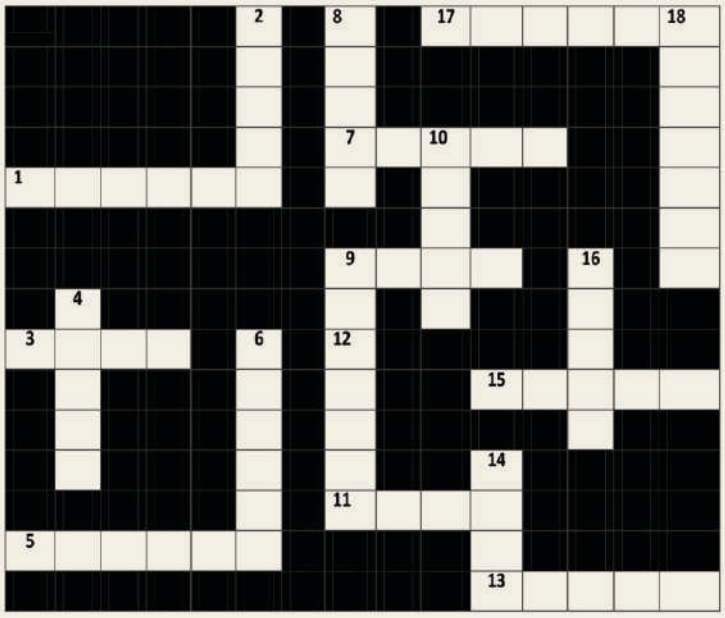

Crosswords No. 15

HORIZONTAL

1. Financial capital of India
3. Also known as Oxford of the East
5. Also known as pink city
7. City of draught in Maharashtra
9. Town in Ghaziabad famous for the longest gas pipeline
11. The city of Taj Mahal
13. Located on the banks of Morna river
15. Oldest city with famous mosque in Rajasthan
17. City famous for gas tragedy

VERTICAL

2. Capital of India
4. City of Gujrat located at the mouth of Tapti river
6. Largest city of Uttar Pradesh famous for its leather and textile industries
8. Known for purest Milk and ghee production
10. First railway line laid in India in this city
12. It is the largest riverine city in the world.
14. Birth place of Gautam budh
16. Winter capital of india
18. City of Nawabs

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 15

		3						
						4		9
6			1					
			8				6	
4								
2	9							
					5			
	3			4	9			
		1		2			5	

Answer: Crosswords No. 14

7	1	4	6	2	3	5	9	8
6	3	2	5	8	9	4	7	1
8	9	5	4	1	7	3	2	6
4	6	1	3	9	8	2	5	7
5	8	9	7	6	2	1	3	4
2	7	3	1	5	4	6	8	9
9	4	8	2	3	1	7	6	5
3	5	7	9	4	6	8	1	2
1	2	6	8	7	5	9	4	3

Answer: Soduko No. 14

CELEBRATING SILVER JUBILEE 25 YEARS 1996-2021 EXHIBITING INDUSTRY READINESS

SHRI RAM MURTI SMARAK SOCIETY 1990-2020 30 GLORIOUS YEARS INDIA

SRMS

Shri Ram Murti Smarak Institutions

Bareilly • Lucknow • Unnao

IT'S NOT MERELY A NAME,
BUT AN EDUCATION HUB

SHAPING LEADERS SINCE 1996

3.5 Cr. Annual Merit Scholarship
(Max ₹ 2.25 LAC & Min ₹ 20,000)

COURSES OFFERED

BTech MTech	BA LLB LLB	BCA MCA	MBBS	Paramedical (Diploma, BSc, MSc)	Nursing (ANM, GNM BSc, MSc, Post Basic BSc)
BPharm MPharm	BBA MBA	BCom (Hons)	MD / MS		

- 25 years of legacy imparting value based professional education • World class infrastructure with modern facilities for teaching & Research
- Experienced faculty • 14000+ alumni across Globe • High End Placement with 135+ Recruiters • **Innovation & Incubation Cell** - IOT
- Flexible Manufacturing System • Data Analytics • PLC/SCADA • Tinkering Lab • International exposure for Research & Development
- World class infrastructure for Medical, Paramedical & Nursing teaching • 1000 Beds Multi Super Speciality & Tertiary care Centre for training

OUR CAMPUSES

- SRMS College of Engineering & Technology, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering, Technology & Research, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering & Technology, Unnao (U.P.)
- SRMS International Business School, Unnao (U.P.)
- SRMS College of Pharmacy, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Law, Bareilly (U.P.)
- SRMS Institute of Medical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Nursing, Bareilly (U.P.)
- SRMS Institute of Paramedical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS Paramedical & Nursing College, Unnao (U.P.)
- SRMS Riddhima, Bareilly (U.P.)
  (Centre for Performing & Fine Arts)

ADMISSION HELPLINE ✆ 7055999555

admission@srms.ac.in
www.srms.ac.in

38TH- AMONGST 550 GOVT. & PVT. COLLEGES IN INDIA
INDIA TODAY RANKING 2021

BAREILLY CAMPUS : Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly-Nainital Road, Bareilly-243202 (U.P.)
UNNAO CAMPUS : 35 Km. on NH-25, Lucknow-Kanpur Highway - 209859 (U.P.)